Nai Dunia, 21st April 2022, Page – 02

बढ़ावा

दो वर्षों में कई संस्थानों से हुए समझौते, कोर्स भी किए शुरू

स्थानीय संस्थानों को गति दे रहे आइआइटी-आइआइएम

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने कुछ वर्षों में तेजी से दायरा बढ़ाते हुए नए संस्थानों को जोड़ा है। आइआइटी इंदौर ने 2019 से अब तक 21 संस्थानों के साथ समझौता किया है। इसमें आइआइएम इंदौर, राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआर कैट) और महू आर्मी ट्रेनिंग संस्थान भी शामिल हैं। वहीं आइआइएम इंदौर ने दो साल में 25 से ज्यादा एमओयू किए हैं। हर तीन महीने में दोनों संस्थान किसी न किसी नए संस्थान के साथ जुड़ते जा रहे हैं। आइआइटी और आइआइएम कुछ समय से मिलकर काम करने लगे हैं। दोनों संस्थानों ने मिलकर डाटा साइंस का कोर्स शुरू किया है। देवी अहिल्या विवि को भी दोनों साथ लेकर चल रहे हैं।

आइआइएम का समझौता

मिलिट्री कालेज महू के साथ आइआइएम इंदौर ने भी शोध, केस स्टडीज, बिग डाटा एनालिटिक्स, प्रशिक्षण और अन्य कार्यों के लिए समझौता किया है। मध्य प्रदेश के पंचायत और रूरल डेवलपमेंट विभाग के साथ भी काम कर रहा है। इसके तहत रूरल क्षेत्र में स्टार्टअप को गति देने, ब्रांडिंग और अन्य कार्य किए जा रहे हैं। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के साथ काम किया जा रहा है। इसके अलावा विदेश के कई विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के साथ भी संस्थान ने दो वर्ष के दौरान कई समझौते किए हैं।

आइआइटी कर रहा काम

डाटा साइंस कोर्स दोनों संस्थानों ने मिलकर शुरू किया। विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए ने टेस्टबुक एजु साल्यूएशन कंपनी के साथ समझौता किया। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कन्फेडरेशन आफ इंडियन एमएसएमई के साथ एमओयू किया। इंडियन नेवी के साथ रक्षा उपकरण बनाने और नवाचार करने के लिए समझौता किया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उज्जैन, देवास व सागर नगर निगम के साथ संस्थान काम कर रहा है। मिलिट्री कालेज महू के साथ शोध, देवी अहिल्या विवि के साथ शोध व ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए भी संस्थान जुड़ा है।

शोध, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान करने के लिए लगातार नए संस्थानों के साथ समझौता किया जा रहा है। इसमें सबसे पहले वरीयता प्रदेश के संस्थानों और उद्योगों को दी जा रही है। आने वाले दिनों में और भी संस्थानों के साथ मिलकर काम करेंगे। – **सुनील कुमार**, पीआरओ आइआइटी इंदौर

हमारा मकसद विद्यार्थियों को विश्व स्तर की शिक्षा देने के साथ समाज को भी आगे बढ़ाना है। सरकार के विभागों को भी गति देने के लिए प्रशिक्षण और शोध कार्य किए जा रहे हैं। हमारे पास हर विषय में अनुभवी प्रोफेसर हैं। ऐसे में स्थानीय संस्थानों को भी इनके अनुभव का लाभ देने पर काम कर रहे हैं।
– **हिमांशु राय**, निदेशक आइआइएम इंदौर